an>

Title: Need to establish cancer hospitals in Bihar.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा)ः कैंसर के रोगियों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। सभी हॉस्पिटलों में कैंसर रोगियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। देश में कैंसर के इलाज के लिए वैसे ही बहुत कम संस्थान हैं। जहाँ तक अ.भा. आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली का प्रश्न है, वहाँ तो इलाज हो रहा है, किन्तु अन्य भागों में अवस्थित किसी भी एम्स में कैंसर का इलाज नहीं होता है। मात्र टाटा मेमोरियल कैंसर संस्थान एक आशा है, वह भी सिर्फ पहुंच के रोगियों के लिए, जिनके पास धन की व्यवस्था है। गरीब तो जीवन से हाथ धो रहे हैं। कुछ प्राइवेट कैंसर संस्थान हैं, वहाँ की फीस और इलाज का खर्च काफी अधिक है, जो कि गरीबों के बस की बात नहीं है।

पिछले कुछ वर्षों में कैंसर के रोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। रिसर्च के अनुसार वर्ष 2020 तक करीब 17 लाख कैंसर के नये रोगी हो जायेंगे। सदन में सरकार कह चुकी है कि 70 से अधिक कैंसर संस्थान पूरे देश में खोले जा रहे हैं, मगर उसकी स्थिति अभी तक स्पष्ट नहीं है। घोषणाएँ तो बहुत हो रही है, परन्तु जमीनी स्तर पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार को इस समस्या के जड़ में जाने की आवश्यकता है। देखना चाहिए कि कैंसर एकाएक क्यों बढ़ रहा है और इसके उपाय पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कैंसर में हो रही वृद्धि पर रोक लगाने के आवश्यक कदम उठाने के लिए निवेदन कर रहा हूँ, ताकि समय रहते इस पर नियंत्रण पाया जा सके।

बिहार से बड़ी संख्या में कैंसर के मरीज दिल्ली में इलाज कराने आते हैं, जिन्हें दर-ब-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं, अतः सरकार द्वारा खोले जा रहे उक्त कैंसर संस्थान/हॉस्पिटल में से कम से कम 4 कैंसर हॉस्पिटल बिहार में खोलने की अनुमति दी जाये।